शेयर बाजार में यूपी का बोलबाला, खजाने में पिछले वर्ष की तुलना में 221 अरब रुपये ज्यादा पहुंचे

यूपी की जीएसडीपी में 19% वृद्धि का अनुमान

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

प्रदेश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन लघु, कुटीर व मध्यम उद्योग (एमएसएमई) साबित हो रहा है।

प्रदेश के खजाने में पिछले साल की तुलना में 22,109 करोड़ रुपये ज्यादा पहुंचे हैं। शेयर बाजार में भी यूपी के निवेशकों का बोलबाला है। यह जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा है कि कोरोना संकट के दौरान छोटे -बड़े उद्योगों को कारोबार करने की दी गई छूट का का असर अब दिखाई देने लगा है। चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में जीएसडीपी (राज्य सकल घरेलू उत्पाद) में 19.6 फीसदी की वृद्धि दिख रही है।

राज्य नियोजन संस्थान की रिपोर्ट पर नजर डाले तो पहली तिमाही में प्रदेश की आर्थिक प्रगति बेहतर रही है। आर्थिक विशेषज्ञों का दावा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा निर्देश में बीते अप्रैल से जून के बीच में कृषि, पशुपालन, मछली पालन, खनन, वाटर सप्लाई, मैन्युफैक्चरिंग, ट्रांसपोर्ट, सर्विस सेक्टर और निर्माण के क्षेत्र में इजाफा हुआ है। आर्थिक विशेषज्ञों ने वर्ष 2021-22 में यूपी की जीएसडीपी 4,05,835 करोड़ रुपए होने का अनुमान लगाया है।

प्रदेश के 50 लाख से ज्यादा निवेशक बाजार में

शेयर बाजार में भी यूपी की पहचान गाढ़ी होती जा रही है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में यूपी के 50 लाख से अधिक निवेशक कारोबार कर रहे हैं। देश के शेयर बाजार में यूपी तीसरी ताकत बन गया है। अब महाराष्ट्र और गुजरात के बाद उत्तर प्रदेश का स्थान है। यूपी के 52.3 लाख इंवेस्टर अकाउंट शेयर बाजार में दर्ज हैं। बीएसई के अधिकारियों के अनुसार बीते 31 मई तक देश में कुल 6.9 करोड़ डीमेट खाते थे। जिसमें से 25 फीसदी खाते महाराष्ट्र से हैं। इसके बाद गुजरात का स्थान है। गुजरात के बाद उत्तर प्रदेश से 52.3 लाख खाते हैं।

02 लाख करोड़ रुपए से अधिक का ऋण एमएसएमई को दिया

02 करोड़ से ज्यादा लोग यूपी के एमएसएमई में रोजगार पा चुके

4,05,835 करोड़ जीएसडीपी होने का अनुमान